बाइरैक i3

• इग्नाइट • इनोवेट • इंक्यूबेट

अमृत काल का मार्ग प्रशस्त करने हेतु नवाचार

11वां स्थापना दिवस
20 मार्च, 2023

बाइरैक
birac

जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद
(भारत सरकार का उद्यम)

जनवरी – मार्च 2023

सं. 1 खंड 10

बाइरैक

संपादकीय समिति

डॉ. शीर्षेन्दु मुखर्जी
मिशन निदेशक
ग्रैंड चैलेंजेस इंडिया

सुश्री गिन्नी बंसल
सलाहकार (वाणिज्यिक)
ग्रैंड चैलेंजेस इंडिया

सुश्री हिमांशी शर्मा
सलाहकार (वाणिज्यिक)
राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन

डिजाइन और उत्पादन
चिरंजन एडवरटाइज़िंग, ई–170, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली–110065

विषयसूची

इस अंक में

मार्गदर्शक का संदेश 02

मुख्य संपादक की ओर से 03

बाइरैक पर लेख 04

बाइरैक रिपोर्ट 06

ई – अपशिष्ट प्रबंधन पर उद्योग – शिक्षा जगत की अंतःक्रिया

'किण्वन – सूक्ष्म जीवों की आपसी क्रिया, प्रतिरक्षा और पोषण' पर दो दिवसीय वेबिनार

108 वीं इंडियन साइंस कॉन्ग्रेस 2023 (आईएससी 2023)

बायोएशिया 2023

जैव उद्यमशीलता तथा जीव विज्ञान में बौद्धिक संपदा एवं प्रौद्योगिकी प्रबंधन पर बाइरैक सुग्राहीकरण कार्यशाला

जीवन के लिए आकाश (राष्ट्रीय सम्मेलन)

प्रशिक्षण / कार्यशालाओं / पाठ्यक्रम श्रृंखलाओं के आयोजन के लिए सीबीटी–आईआईटी दिल्ली के साथ भागीदारी

मानव संसाधन और प्रशासनिक गतिविधियां 15

महिला दिवस

(डॉ राजेश एस गोखले)
सचिव डीबीटी और
अध्यक्ष बाइरैक

भारत अपने अमृत काल में प्रवेश कर चुका है; हमें इंडिया एट100 तक पहुंचने में 25 वर्ष का समय लगेगा। माननीय प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए; विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवीन अनुसंधान के संगम से भारत वैश्विक नेता बनने में एक प्रमुख भूमिका निभाएगा।

मैं बाइरैक को ग्यारह साल की यात्रा पूरी करने पर बधाई देना चाहता हूं। जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने बाइरैक का गठन किफायती उत्पादों और प्रक्रियाओं के विकास के लिए नवीन अनुसंधान को बढ़ावा देने के मिशन के साथ किया था। पिछले 11 वर्षों में बाइरैक अपनी अपेक्षाओं पर खरा उतरा है और प्रभावशाली कार्यक्रम पेश करके नवाचार श्रृंखला में अंतर को पाट दिया है।

प्रतिभा पूल के पोषण, स्टार्टअप को सहायता राशि, सफलता और पैमाने के अवसर प्रदान करने में बाइरैक का समर्थन स्पष्ट है।

मेंटरिंग और इन्क्यूबेशन स्पेस तक पहुंच के साथ संयुक्त वित्त पोषण सहायता ने 3500 से अधिक स्टार्ट–अप, उद्यमियों और कंपनियों को लाभान्वित किया है और इसके परिणामस्वरूप 800+ उत्पादों और प्रौद्योगिकियों का विकास हुआ है और 1200+से अधिक आईपी का निर्माण हुआ है।

इन सभी वर्षों में, बाइरैक ने देश में नवाचार और उद्यमशीलता के माहौल को बढ़ावा देने की दिशा में लगातार काम किया है। अनुसंधान और नवाचार क्षमताओं को नवाचार और जैव–विनिर्माण केंद्र बनने के साथ–साथ व्यापक सामाजिक मुद्दों से निपटने के लिए किफायती नवाचारों के समाधान खोजने पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

हमारे माननीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, ''विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार 2047 में इंडिया एट100 को परिभाषित करेंगे'' के अनुसार मुझे विश्वास है कि बाइरैक वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने वाले सुलभ उत्पाद बनाने के लिए तकनीकी सफलताओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

आने वाले वर्षों में बाइरैक को फिर से नई भूमिका निभाने, उपलब्धियों के मामले में तेजी से कदम बढ़ाने और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए नवाचार और महत्वपूर्ण विचारों के रूपांतरण में तेजी लाने की आवश्यकता होगी।

अंत में, मैं देश में नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने और पोषित करने के लिए निरंतर काम करने के लिए पूरी बाइरैक टीम को बधाई देना चाहता हूं।

मुख्य संपादक की ओर से

डॉ. अलका शर्मा
वरिष्ठ सलाहकार, डीबीटी और
प्रबंध निदेशक–बाइरैक

मुझे यह कहते हुए बेहद खुशी हो रही है कि बाइरैक ने 20 मार्च 2023 को अपना 11वां स्थापना दिवस मनाया। इस स्थापना दिवस का विषय था ''अमृतकाल का मार्ग प्रशस्त करने हेतु नवाचार।'' इन 11 वर्षों में, बाइरैक ने बहुत सफलतापूर्वक नवाचारों को बढ़ावा दिया है और जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में देश को सशक्त बनाया है। जैव प्रौद्योगिकी में भविष्य का उद्योग बनने की काफी संभावनाएं हैं। जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में बहुत से युवा नवप्रवर्तक और उद्यमी सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र में अधूरी जरूरतों के लिए नवीन समाधान प्रदान करने के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के इच्छुक हैं। देश भर के नवप्रवर्तक और उद्यमी आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

अपने आरंभ से ही बाइरैक का कार्य बायोटेक नवाचार परिवेश को पोषित करना और सशक्त बनाना रहा है। बाइरैक ने स्टार्टअप्स को एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान किया है, जिसके परिणामस्वरूप कई सफल उद्यमों में नवप्रवर्तकों द्वारा विकसित उत्पादों और प्रौद्योगिकियों की एक उत्कृष्ट श्रृंखला तैयार हुई है, जिसने घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों में प्रभाव डाला है। बाइरैक ने 75 बायोइनक्यूबेटरों को समर्थन के माध्यम से, केवल 10 वर्षों में 4000 से अधिक उद्यमियों, स्टार्टअप और एसएम ईएस को पोषण दिया है, 350 शिक्षाविदों को समर्थन दिया है और 7.1 लाख वर्ग फुट से अधिक का इनक्यूबेशन स्थान बनाया है।

बीते वर्षों में, बाइरैक ने कई कार्यक्रम और योजनाएं, नेटवर्क और प्लेटफॉर्म शुरू किए हैं, जिन्होंने जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान में मौजूदा अंतर को पाटने में मदद की है और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के माध्यम से नए, उच्च गुणवत्ता वाले, किफायती उत्पादों के विकास की सुविधा प्रदान की है।

मुझे बेहद खुशी है कि बाइरैक अपने अस्तित्व के दौरान देश में जैव प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र का पोषण कर रहा है; इससे जैव प्रौद्योगिकी नवाचार परिदृश्य पर प्रभाव सराहनीय है।

आज के युग को सही मायने में ''विज्ञान और प्रौद्योगिकी का युग'' कहा जाता है, क्योंकि इसने मानव जीवन के हर आयाम पर प्रभाव डाला है। भारत सरकार द्वारा पारिस्थितिकी तंत्र की बढ़ती सक्षमता और प्राथमिकता के कारण पिछले दशक में देश में बायोटेक स्टार्टअप की संख्या 50 से बढ़कर 5300 से अधिक हो गई है। वर्ष 2025 तक इसके 10,000 का आंकड़ा पार करने की उम्मीद है।

बाइरैक ने प्रतिभा समूह के पोषण और स्टार्टअप्स को निधिकरण प्रदान करने, सफल होने और आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करने में एक लंबा सफर तय किया है। मेरा मानना है कि ''प्रौद्योगिकी और नवाचार'' 2047 की अर्थव्यवस्था के पथप्रदर्शक बनने जा रहे हैं और बाइरैक भारत में अनुसंधान और नवाचार के अभूतपूर्व विस्तार में योगदान देता रहेगा।

स्थापना दिवस 2023
अमृतकाल का मार्ग प्रशस्त करने हेतु नवाचार

जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बाइरैक) ने 20 मार्च 2023 को राष्ट्रीय प्रतिरक्षा संस्थान, नई दिल्ली में अपना 11वां स्थापना दिवस मनाया। 11वें स्थापना दिवस की विषयवस्तु 'अमृतकाल का मार्ग प्रशस्त करने हेतु नवाचार' थी।

वर्ष 2012 में अपनी स्थापना के बाद से, बाइरैक देश में जैव प्रौद्योगिकी नवाचार के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में सहायक रहा है। कार्यक्रम में पिछले 10 वर्षों में बाइरैक की यात्रा और प्रगति पर प्रकाश डाला गया और यह दर्शाया गया कि इसे किस तरह एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र बनाया गया है जो बड़े पैमाने पर समाज की महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने, बढ़ाने और संबोधित करने में सक्षम है।

इस कार्यक्रम में जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव डॉ. राजेश एस गोखले और जैव प्रौद्योगिकी विभाग की वरिष्ठ सलाहकार और बाइरैक की प्रबंध निदेशक, डॉ. अलका शर्मा की बातचीत शामिल थी। डॉ. गोखले ने अपने उद्घाटन भाषण में बायोटेक इनोवेशन स्पेस को सशक्त बनाने में बाइरैक के योगदान के बारे में बात की। उन्होंने विज्ञान की अदम्य भावना का जश्न मनाने पर भी जोर दिया।

इस कार्यक्रम में बाइरैक द्वारा समर्थित स्टार्टअप्स से उनकी यात्रा में बाइरैक के योगदान के बारे में बातचीत हुई। उद्यमियों ने अपनी उद्यमशीलता यात्रा और उनके सामने आने वाली चुनौतियों को साझा किया। मायलैब डिस्कवरी सॉल्यूशंस, एक्टोरियस इनोवेशन एंड रिसर्च, अहममुने बायोसाइंसेज, हेस्टैक एनालिटिक्स, एटीजीसी बायोटेक, आईस्टेम रिसर्च, वोक्सेलग्रिड्स इनोवेशन ने अपने स्टार्टअप सफर के बारे में बात की।

श्री रिजवान कोइता, समाजसेवी और उद्यमी (सिटियसटेक और कोइता फाउंडेशन के सह–संस्थापक) द्वारा स्थापना दिवस व्याख्यान "ड्राइविंग हेल्थकेयर इनोवेशन!" पर दिया गया था। उन्होंने उद्यमियों के लिए सीख के बारे में भी बात की।

भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय के. सूद इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने भारतीय बायोटेक इनोवेशन इकोसिस्टम की स्थिति और चुनौतियों के बारे में बात की। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को नवाचार सूचकांक रैंकिंग में आगे बढ़ने में मदद करने में बाइरैक की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

कार्यक्रम के दौरान बाइरैक का सुविधा नेटवर्क ई–पोर्टल पर लॉन्च किया गया। यह पोर्टल आपको राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन सामान्य पहुंच, सुविधाओं और नैदानिक परीक्षण नेटवर्क के साथ–साथ बायोनेस्ट इंस्ट्रूमेंटेशन और प्रयोक्ता शुल्क विवरण तक पहुंचने की अनुमति देता है। आप इस पोर्टल को बाइरैक के होम पेज पर एक्सेस कर सकते हैं।

इस कार्यक्रम के एक भाग के रूप में मेटाबोलिक विकारों, संक्रामक रोगों, ऑटो प्रतिरक्षा विकारों, आनुवंशिक और दुर्लभ बीमारियों,

न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों और ऑन्कोलॉजी के क्षेत्रों में दवा की खोज के लिए 'प्रीक्लिनिकल डिज़ीज़ मॉडल (इन विट्रो और इन विवो)' पर एक कॉल भी लॉन्च किया गया था।

बाइरैक ने पिछले कुछ वर्षों में जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में महिला उद्यमियों को समर्थन, सशक्त बनाने और मान्यता देने के लिए विभिन्न पहल शुरू की हैं। बाइरैक ने तीन समर्पित ऊष्मायन केंद्र भी स्थापित किए हैं जो महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों को सक्षम बनाने पर केंद्रित हैं।

अपने 11वें स्थापना दिवस के एक भाग के रूप में, उन असाधारण महिला उद्यमियों को पहचानने और जश्न मनाने के लिए बाइरैक की टाई–विनईआर महिला उद्यमियों को सम्मानित किया गया, जिनके अभिनव दृष्टिकोण और पथप्रदर्शक विचारों ने भारत में जैवप्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र में सकारात्मक प्रभाव पैदा किया है। सुश्री रूपल मेहता, मेडमार्वल सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड; डॉ. सुगंधी गोपाल, कार्डिटेक मेडिकल डिवाइसेज प्राइवेट लिमिटेड; सुश्री विपाशा मजीठिया, वीआईए एनर्जिकल्स; डॉ. पूजा गोस्वामी, रैमजा जेनोसेंसर प्राइवेट लिमिटेड; डॉ. भाग्यरथि रमन, मेडारा हेल्थ केयर टेक्नोलॉजीस; डॉ. सारिका गुप्ता, ग्रीनाथॉन टेक्नोलॉजीस प्राइवेट लिमिटेड, डॉ. रचना दवे, माइक्रोजीओ; डॉ. स्मिता, वेरीप्योर; सुश्री वीणा वेणु, बर्थटेक इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड; सुश्री स्वाति कोहली, एसएम लर्निंग स्किल्स एकेडमी फॉर स्पेशल नीड्स प्राइवेट लिमिटेड; डॉ. कल्पना एस. जोशी, कॉनेक्सॉन बायोसोल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड; डॉ. कुमुधा, मैग्नीमस इन्फो टेक प्राइवेट लिमिटेड; सुश्री संतोष जांगिड़, न्यूंड्रा इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड; 11वें स्थापना दिवस पर डॉ. दीप्ति सैनी, प्रोटीन डिजाइन प्राइवेट लिमिटेड और सुश्री मनसा गोंचिगर, प्योरस्कैन अल को सम्मानित किया गया।

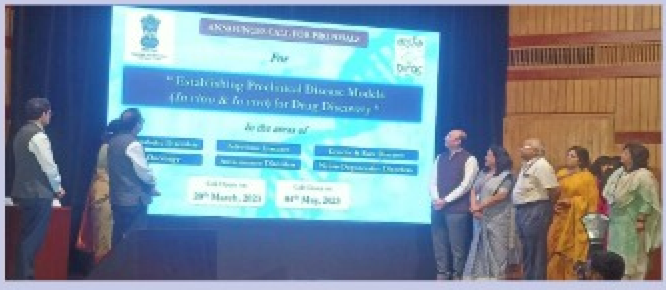

जैव प्रौद्योगिकी विभाग की पूर्व सचिव और बाइरैक की पूर्व प्रबंध निदेशक डॉ. रेणु स्वरूप भी इस अवसर पर उपस्थित रहीं। उन्होंने नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के पोषण में एक सक्षम, सुविधाप्रदाता और उत्प्रेरक होने के लिए बाइरैक के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इच्छुक उद्यमियों को अधिक लाभ पाने के लिए जोखिम उठाने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम का समापन एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ, जिसमें विविधता में एकता की भावना प्रदर्शित की गई और विभिन्न राज्यों से संबंधित नृत्य कलाओं का प्रदर्शन किया गया।

ई–अपशिष्ट प्रबंधन पर उद्योग–अकादमिक सहभागिता

बाइरैक ने 14 अक्टूबर 2022 को ''ई–कचरा प्रबंधन के लिए दृष्टिकोण'' पर एक उद्योग–अकादमिक बातचीत का आयोजन किया, जो अंतरराष्ट्रीय ई–कचरा दिवस भी है। यह बैठक सीएसआईआर विज्ञान केंद्र, लोधी रोड में आयोजित की गई और इसमें सरकारी निकायों, उद्योग और आईआईटी, टेरी, सीएसआईआर–आईआईपी और जेपी संस्थान जैसे शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। क्षेत्र की चुनौतियों और संभावित समाधानों को समझने के लिए बैठक हाइब्रिड मोड में आयोजित की गई थी।

बाइरैक अधिकारियों और सरकारी निकायों, उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों के बीच चर्चा सत्र

डॉ. शुभ्रा आर. चक्रवर्ती (निदेशक संचालन–बीएल आरएसी), डॉ. पी के एस सरमा (प्रमुख तकनीकी– बाइरैक), और सरकारी निकायों, उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ बाइरैक अधिकारी।

'किण्वन – सूक्ष्म जीवों की आपसी क्रिया, प्रतिरक्षा और पोषण' पर दो दिवसीय वेबिनार श्रृंखला

नॉर्थ–ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी (एनईएचयू), तुरा कैंपस (मेघालय) के आरडी एपी विभाग के सहयोग से बाइरैक के उद्योग/अकादमिक मार्गदर्शन के हिस्से के रूप में, 3–4 फरवरी 2023 के दौरान 'किण्वन : सूक्ष्म जीवों की आपसी क्रिया, प्रतिरक्षा और पोषण' पर दो दिवसीय वेबिनार श्रृंखला का आयोजन किया गया था। वेबिनार श्रृंखला में भारत के विभिन्न हिस्सों से शिक्षा जगत और उद्योगों के वक्ता शामिल हुए। वेबिनार को यूट्यूब के माध्यम से भी लाइव स्ट्रीम किया गया। इस दो दिवसीय वेबिनार में 2000 से अधिक प्रतिभागियों (स्टार्टअप, उद्यमी, एमएसएमई, संकाय/वैज्ञानिक, पीएचडी/पोस्ट–डॉक्स) ने भाग लिया। जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बाइरैक) ने भी अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से नवीन विकास के लिए सार्वजनिक–निजी उत्पाद/प्रौद्योगिकी भागीदारी को बढ़ावा देने में अपनी भूमिका प्रस्तुत की।

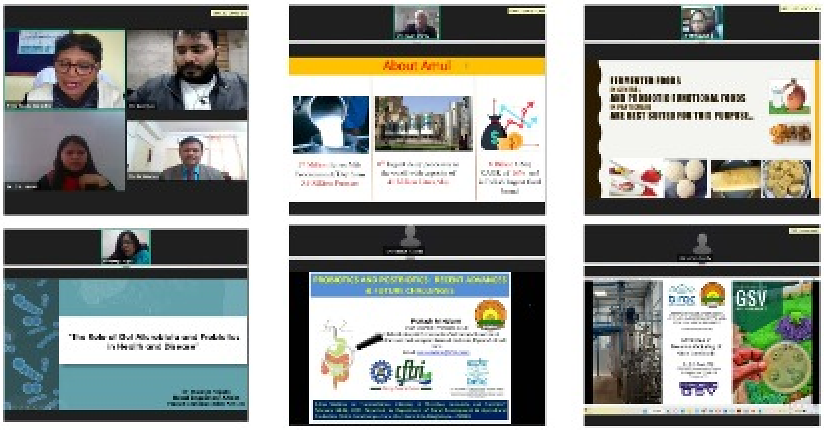

DAY 01

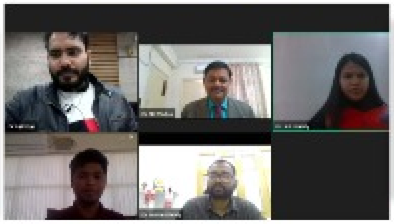

Theme: Advances in Probiotics, Postbiotics, Prebiotics, and Nutriceuticals

DAY 02

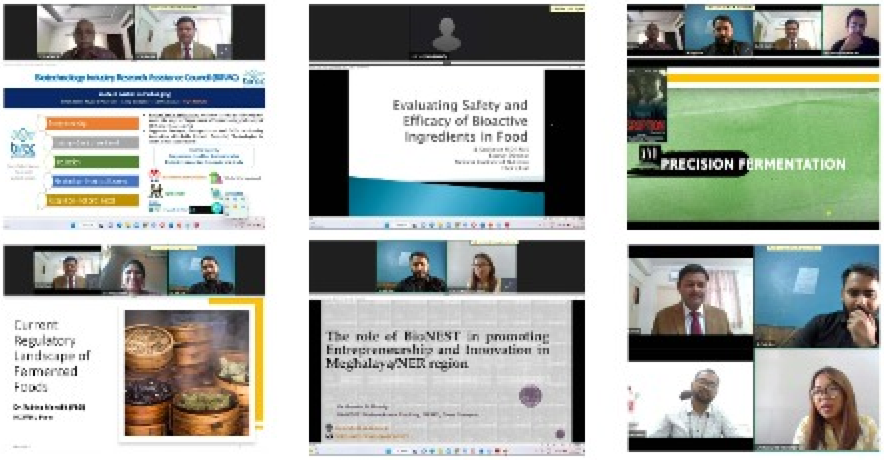

Theme : Innovations and Regulatory Compliances in Fermented Foods

बाइरैक अधिकारियों और स्टार्टअप्स, उद्यमियों, एमएसएमई, संकायों/वैज्ञानिकों, पीएचडी/पोस्ट–डॉक्स के प्रतिनिधियों के बीच विभिन्न मॉड्यूल के दौरान वेबिनार सत्र आयोजित किया गया।

108 वीं इंडियन साइंस कॉन्ग्रेस 2023 (आईएससी 2023)

‘‘भारतीय विज्ञान कांग्रेस’’ (आईएससी) का 108वां संस्करण 03 से 07 जनवरी, 2023 तक नागपुर में आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ (आईएससीए) द्वारा आयोजित किया गया था और राष्ट्रसंत तुकादोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय (आरटीएमएनयू) द्वारा आयोजित किया गया था। यह देश के वैज्ञानिक समुदाय के लिए भारत का सबसे पुराना और प्रतिष्ठित वार्षिक आयोजन है। इस वर्ष के आयोजन का विषय ‘‘महिला सशक्तीकरण के साथ सतत विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी’’ था।

कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री–भारत सरकार, श्री नरेंद्र मोदी (वर्चुअल मोड) द्वारा और पीओआई एक्सपो का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फड़णवीस, डॉ. सुभाष आर. चौधरी, कुलपति–नागपुर विश्वविद्यालय और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान–भारत सरकार, श्री जितेंद्र सिंह ने किया।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस के प्रमुख आकर्षणों में से एक ‘‘प्राइड ऑफ इंडिया आईएससी एक्सपो’’ ने विभिन्न क्षेत्रों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारत के विकास को प्रदर्शित किया। बाइरैक को अपने प्रदर्शनी बूथ में भी रुचि मिली, जिसमें बाइरैक की योजनाओं और कार्यक्रमों, समर्थित प्रौद्योगिकियों, नवाचारों और भागीदारों को प्रदर्शित किया गया था। बाइरैक अधिकारियों – सुश्री पूनम बिश्नानी, अधिकारी – एएसएफ–ईक्यू और सुश्री हिमांशी शर्मा– सलाहकार ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

पीओआई एक्सपो में वैज्ञानिक दुनिया के संपूर्ण कैनवस को कवर करने वाले नए विचारों, नवाचारों और उत्पादों के संगम को दर्शाया गया है। यह अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों, अग्रणी वैज्ञानिक उत्पादों और सेवाओं, अग्रणी अनुसंधान एवं विकास पहलों का एक शानदार प्रदर्शन था।

इस पांच दिवसीय कार्यक्रम में प्रमुख सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संगठनों, सरकारी विभागों, पीएसयू, अनुसंधान प्रयोगशालाओं, शैक्षणिक संस्थानों, निगमित, रक्षा एजेंसियों आदि ने भागीदारी की। आईएससी के समापन दिवस पर, ''समापन समारोह'' में प्रदर्शकों को विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किए गए।

बायो एशिया 2023

बायो एशिया 2023 का 20वां संस्करण 24–26 फरवरी 2023 को एचआईसीसी हैदराबाद में आयोजित किया गया था। तेलंगाना सरकार द्वारा तीन दिवसीय वार्षिक वैश्विक मंच का आयोजन किया गया था और इसका उद्घाटन श्री के. टी. रामा राव, माननीय उद्योग और वाणिज्य मंत्री, तेलंगाना सरकार ने प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों डॉ. वी. के. पॉल, माननीय सदस्य (स्वास्थ्य), नीति आयोग, श्री जयेश रंजन, आईएएस प्रमुख सचिव (आई एंड सी), तेलंगाना सरकार, डॉ. वास नरसिम्हन, सीईओ, नोवार्टिस, श्री सतीश रेड्डी, अध्यक्ष, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, डॉ. समित हीरावत, ईवीपी और सीएमओ, बीएमएस, श्री गैरेथ व्यान ओवेन, तेलंगाना में ब्रिटिश उप उच्चायुक्त, श्री जयंत नादिगर, फ्लैंडर्स के व्यापार और निवेश आयुक्त और अन्य गणमान्य व्यक्ति की उपस्थिति में किया था। 'एडवांसिंग फॉर वन' के विषय के साथ, बायोएशिया 2023 ने मानवकृत स्वास्थ्य देखभाल की अगली पीढ़ी को आकार देने पर ध्यान केंद्रित किया। बायोएशिया 2023 में 500 से अधिक आगंतुकों के अलावा सीआरओ, वैश्विक बायोटेक, फार्मा और मेडटेक कंपनियों के सीएमओ, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, सरकारी और नियामक प्राधिकरणों, उद्यम पूंजी और निवेशकों और 50 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले स्टार्ट–अप के 2,015 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

सम्मेलन के दौरान जीवन विज्ञान उद्योग के 70 से अधिक प्रतिष्ठित वैश्विक नेताओं की मेजबानी की गई। बायोएशिया ने एक अंतरराष्ट्रीय ट्रेडशो की भी मेजबानी की, जिसमें डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज लिमिटेड, नोवार्टिस, हेटेरो बायोफार्मा लिमिटेड, एरागेन लाइफ साइंसेज, अरबिंदो फार्मा, आरएक्स प्रोपेलेंट, ग्लैंड फार्मा लिमिटेड, लौरस लैब्स, केवौनी लैबवे इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, टॉफलोन प्राइवेट लिमिटेड, साइटिवा, कॉर्निंग, जीएसबीटीएम सहित कई अन्य लोगों ने मेड–टेक, फार्मा, बायोटेक जैसे लगभग 175 संगठन शामिल हुए, और जीवन विज्ञान और स्वास्थ्य–तकनीक के क्षेत्रों से अपने नवाचारों और विकास का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी में एक नवप्रवर्तन क्षेत्र शामिल था जिसमें स्टार्टअप स्टेज पवेलियन में 76 स्टार्टअप और इनक्यूबेटर पवेलियन में 10 इनक्यूबेटर शामिल थे। भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय की साझेदारी में आयोजित एमएसएमई पवेलियन में लगभग 25 कंपनियों ने प्रदर्शन किया और भारत सरकार के फार्मास्यूटिकल्स विभाग के साथ साझेदारी में आयोजित मेड–टेक पवेलियन में 11 कंपनियों ने प्रदर्शन किया।

इस कार्यक्रम में बाइरैक से डॉ. संजय सक्सेना, डॉ. विश्वदीप कपारे और सुश्री दीक्षा राठौड़ ने भाग लिया। कार्यक्रम के पहले दिन प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। बाइरैक स्टॉल को स्टार्ट–अप्स, छात्रों, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं से उच्च

प्रतिक्रिया मिली, जिन्होंने बाइरैक की विभिन्न योजनाओं, पहलों और विभिन्न क्षमताओं में सहयोग की संभावनाओं के बारे में जानने में बहुत रुचि दिखाई। प्रदर्शनी में कई बाइरैक–समर्थित इनक्यूबेटरों और स्टार्ट–अप्स का भी प्रतिनिधित्व था।

समापन समारोह के दौरान बाइरैक ने बायोएशिया 2023 स्टार्टअप स्टेज अवार्ड्स को सह–प्रायोजित किया। मुख्य अतिथि श्री के. टी. रामाराव, माननीय उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री, तेलंगाना सरकार, श्री करालिस जेमाइटिस, माननीय उप मंत्री,

लिथुआनिया गणराज्य के अर्थव्यवस्था और नवाचार मंत्रालय, महामहिम सुश्री कैटरीन किवी, भारत में एस्टोनिया के राजदूत, अन्य प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों के बीच, ओडिशा सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के माननीय मंत्री श्री अशोक चंद्र पांडा ने 76 से अधिक चुनी गई कंपनियों में से चुने गए शीर्ष पांच स्टार्ट–अप को स्टार्टअप पुरस्कार सौंपे। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को प्राप्त करने वाले शीर्ष 5 पुरस्कार विजेता एक्सोबोट डायनेमिक्स प्राइवेट लिमिटेड, लैंबडाजेन थेरेप्यूटिक्स, प्रतिभा हेल्थकॉन प्राइवेट लिमिटेड, आरएमजेए, जेनोसेंसर प्राइवेट लिमिटेड और सत्येक्र्स फार्मा इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड हैं। इन स्टार्टअप्स को बायोएशिया 2023 के वैश्विक दर्शकों के सामने अपने नवोन्वेषी समाधान प्रस्तुत करने का भी अवसर दिया गया।

जैव उद्यमशीलता तथा जीव विज्ञान में बौद्धिक संपदा एवं प्रौद्योगिकी प्रबंधन पर बाइरैक सुग्राहीकरण कार्यशाला

बाइरैक और बिट्स–पिलानी, राजस्थान द्वारा 8 फरवरी, 2023 को बिट्स–पिलानी परिसर में ''जीवन विज्ञान में जैव–उद्यमिता और बौद्धिक संपदा और प्रौद्योगिकी प्रबंधन'' पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। प्रतिभागियों से बहुत अच्छी और उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। यह कार्यशाला शोधकर्ताओं, उद्यमियों और स्टार्ट–अप के लिए डिजाइन की गई थी ताकि उन्हें अनुदान लेखन, बाइरैक के वित्त पोषण कार्यक्रमों और आईपी और प्रौद्योगिकी प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया जा सके। इस कार्यशाला का पहला सत्र ''अनुदान लेखन की कला और बाइरैक के

वित्त पोषण के अवसर'' पर समर्पित था। इस कार्यशाला का दूसरा सत्र ''बौद्धिक संपदा और प्रौद्योगिकी प्रबंधन'' के लिए समर्पित था। वक्ताओं ने अनुदान लेखन, पेटेंट खोज कैसे करें और बौद्धिक संपदा और प्रौद्योगिकी प्रबंधन की भूमिका पर विभिन्न महत्वपूर्ण बारीकियों पर प्रकाश डाला। इस कार्यशाला से लगभग 40 शोधकर्ता और युवा उद्यमी लाभान्वित हुए। कार्यशाला में सभी उपस्थित व्यक्तियों ने सराहना की।

जीवन के लिए आकाश (राष्ट्रीय सम्मेलन)

भारतीय दार्शनिक परंपरा और आधुनिक विज्ञान के तालमेल के आधार पर जलवायु परिवर्तन और संबंधित पर्यावरणीय चिंताओं की चुनौती के समाधान को आकार देना, विज्ञान भारती द्वारा विभिन्न विज्ञान मंत्रालयों/विभागों और उत्तराखंड राज्य के सहयोग से 4–7 नवंबर, 2022 के दौरान उत्तरांचल विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड में ''जीवन के लिए आकाश'' पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पीएमओ, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष, राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने किया।

ठस कर्टेन रेजर कार्यक्रम में प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार, प्रोफेसर अजय कुमार सूद, अध्यक्ष इसरो, एस.सोमनाथ, सचिव विज्ञान और प्रौद्योगिकी, डॉ. एस. चन्द्रशेखर, सचिव, पृथ्वी विज्ञान, डॉ. एम. रविचंद्रन, सचिव, जैव प्रौद्योगिकी, डॉ. राजेश एस. गोखले और डीजी सीएसआईआर डॉ. एन कलैसेलवी उपस्थित रहे।

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री, डॉ. जितेंद्र सिंह डीबीटी–बाइरैक स्टॉल का दौरा करते हुए।

: डॉ. राजेश एस. गोखले (सचिव–डीएसटी और अध्यक्ष–बाइरैक) और डॉ. अलका शर्मा (वरिष्ठ सलाहकार डीबीटी और एमडी–बाइरैक) डीबीटी और बाइरैक अधिकारियों के साथ डीबीटी–बाइरैक स्टॉल पर।

इस सम्मेलन में प्रख्यात वैज्ञानिकों, विचारकों, शिक्षाविदों, पारंपरिक ज्ञान विशेषज्ञों, चिकित्सकों, उद्योग जगत के नेताओं, सामाजिक और क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं और छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस आयोजन ने शैक्षणिक, औद्योगिक और सामाजिक स्तरों पर बातचीत करने और सहयोग शुरू करने का एक उत्कृष्ट अवसर सुनिश्चित किया।

डीबीटी–बाइरैक स्टॉल में प्रतिनिधियों, वैज्ञानिकों और छात्रों के साथ बातचीत करते हुए बाइरैक अधिकारी।

प्रशिक्षण / कार्यशालाओं / पाठ्यक्रम श्रृंखलाओं के आयोजन के लिए सीबीटी–आईआईटी दिल्ली के साथ भागीदारी

बाइरैक ने भारतीय बायोटेक उद्योग, विशेष रूप से स्टार्ट–अप और एसएमई की अनुसंधान और नवाचार क्षमताओं को बढ़ाने के लिए मार्गदर्शन समर्थन के एक भाग के रूप में सीबीटी–आईआईटी–दिल्ली के साथ साझेदारी की थी। सीबीटी–जेआईटी दिल्ली ने 12–15 दिसंबर 2022 के दौरान उद्योग, शिक्षा और नियामक एजेंसियों के लिए विभिन्न मॉड्यूल पर एक प्रशिक्षण कार्यशाला/पाठ्यक्रम श्रृंखला का आयोजन किया, ताकि भारत और दुनिया को किफायती जैव प्रौद्योगिकी चिकित्सीय प्रदान करने वाले पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की सुविधा मिल सके। इस पाठ्यक्रम में कुल 12 मॉड्यूल चल रहे थे जैसे क्यूबीडी, पीएटी, क्रोमैटोग्राफी, डीओई, एमवीडीए, एमएएम, मास स्पेक और एएल/एमएल आदि।

सीबीटी–आईआईटी दिल्ली में प्रशिक्षण कार्यशाला/पाठ्यक्रम श्रृंखला का उद्घाटन

विभिन्न मॉड्यूल के दौरान कार्यशाला सत्र आयोजित किए गए

महिला दिवस 2023

जेंडर के प्रति समान भाव का संदेश फैलाने और एक बेहतर समाज बनाने के लिए मिलकर काम करने के लिए हर साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है, जहां जेंडर संबंधी कोई भेद न हो। इस वर्ष महिला दिवस का विषय ''डिजिटऑलः जेंडर समानता के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी'' था। इस कार्यक्रम का जश्न मनाने और बाइरैक में महिला कर्मचारियों के लिए दिन को मजेदार बनाने के लिए, बाइरैक कार्यालय में कुछ खेलों का आयोजन किया गया। गतिविधियां सफलतापूर्वक निष्पादित की गई और सभी अधिकारियों ने बड़े उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. राजेश गोखले (सचिव डीबीटी और अध्यक्ष बाइरैक) और डॉ. अलका शर्मा (वरिष्ठ सलाहकार डीबीटी और एमडी बाइरैक) ने महिला दिवस के अवसर पर कर्मचारियों को संबोधित किया। सत्र में ''वीमेन अचीवर्स'' पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी गई, जिसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ, जिसमें कॉमेडी/मिमिक्री/ग्रुप सॉन्ग/इंस्ट्रूमेंटल शामिल था। सत्र के दौरान प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम का समापन डॉ. राजेश गोखले (सचिव डीबीटी और अध्यक्ष बाइरैक की समापन टिप्पणी के साथ हुआ।

आगे की जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें :

जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बाइरैक)

पहली मंजिल, एमटीएनएल बिल्डिंग, 9, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली–110003, भारत

दूरभाष : +91–11–24389600 | फैक्स : +91–11–24389611

ई–मेल : birac.bdt@nic.in | वेबसाइट : www.birac.nic.in

हमें ट्विटर पर फॉलो करें : @BIRAC_2012